थार रेगिस्तान में वनस्पति की संभावना

चर्चा में क्यों?

वर्षा और जलवायु डेटा पर एक सिद्धांत के अनुसार, **'इंडियन ओशन वार्म पूल' (IOWP)** पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि **ग्लोबल वार्मिंग के कारण** **थार रेगिस्तान** **में वनस्पति की संभावना हो सकती है।**

मुख्य बिंदु:

- **हिंद महासागर में IOWP** की उपस्थिति को कई वर्षों से मान्यता प्राप्त है और यह मानसून के निर्माण में भूमिका निभाता है।**ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव** से हिंद महासागर वार्मिंग पूल **पश्चिम की ओर बढ़ रहा है।**
- IOWP की पश्चिमी सीमा पर **जल वाष्पित हो जाता है तथा पृथ्वी के घूर्णन से भारत की ओर खिंच/चला जाता है,** जिससे उत्तर-पूर्व में **150 दिनों तक और उत्तर-पश्चिम में केवल 70 दिनों तक वर्षा होती है**
- IOWP के पश्चिम की ओर विस्तार के साथ, 'वर्षा के मौसम की अवधि' के परिणामस्वरूप भारत के अर्द्ध-शुष्क उत्तर-पश्चिम में **औसत ग्रीष्मकालीन वर्षा में 50-100% की वृद्धि होगी।**
- मूलतः वैज्ञानिकों का तर्क है कि थार रेगिस्तान में पर्याप्त वर्षा होने के कारण इस क्षेत्र में धीरे-धीरे हरियाली होने की क्षमता है।

थार रेगिस्तान

- थार रेगिस्तान, जिसे **ग्रेट इंडियन डेज़र्ट (भारतीय महा मरुस्थल)** के रूप में भी जाना जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप पर रेतीली पहाड़ियों का एक शुष्क क्षेत्र है।
- यह **विश्व के सबसे बड़े उपोष्णकटिबंधीय रेगिस्तानों** में से एक है।
- यह भारत में **राजस्थान, गुजरात और हरियाणा** राज्यों तथा **पाकिस्तान में सिंध व पंजाब प्रांतों** तक फैला हुआ है।
- **इसकी सीमा पश्चिम में सिंचित सिंधु नदी के मैदान, उत्तर और उत्तर-पूर्व में पंजाब के मैदान, दक्षिण-पूर्व में अरावली पर्वतमाला तथा दक्षिण में कच्छ के रण से लगती है।**
- यह रेगिस्तान **कच्छ के ग्रेटर रण से पश्चिम में लूनी नदी की निचली दलदली भूमि से अलग होता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/climate-change-may-lead-to-greening-the-thar-desert